हमारी दुनिया

(भाग - 2)

कक्षा - 7

© BSTBPC
WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार द्वारा विकसित
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोधा एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत
पाठ्य-पुस्तकों का नि:शुल्क वितरण।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

© BSTBPC, NOT TO BE PUBLISHED
WEB COPY

सर्व शिक्षा अभियान : 2013-14 - 19,35,810

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्धमार्ग, पटना-800 001 द्वारा प्रकाशित तथा के॰ सी॰ प्रिन्टिग एण्ड एलाइड वर्क्स, मथुरा द्वारा एच॰पी॰सी॰ के 70 जी॰एस॰एम॰ क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर (वाटर मार्क) तथा एच॰पी॰सी॰ के 130 जी॰एस॰एम॰ ह्वाईट (वाटर मार्क) आवरण पेपर पर कुल 19,35,810 प्रतियाँ 18 × 24 सेमी. साईज में मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया। इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2010-11 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पाठ्य-पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयीं। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार, पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गयीं। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्र 2011-12 के लिए वर्ग-II, IV एवं VII तथा शैक्षिक सत्र 2012-13 के लिए वर्ग V एवं VII की नई पाठ्य-पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध करायी गयीं। साथ-ही-साथ वर्ग I से VIII तक की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप भी शैक्षिक सत्र 2013-14 के लिए एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार, पटना के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री, श्री पी॰ के॰ शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री अमरजीत सिन्हा के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰, नई दिल्ली तथा एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

जे॰के॰पी॰ सिंह, भा॰रे॰का॰से॰
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि॰

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक हमारी दुनिया भाग–2 कक्षा–7 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं इसके आधार पर विकसित बिहार पाठ्यचर्या की रूप–रेखा 2008 के सिद्धांत, दर्शन तथा शिक्षा शास्त्रीय दृष्टिकोण के आधार पर विकसित की गई है। पाठ्यपुस्तक के विकास के क्रम में चरणबद्ध ढंग से शिक्षा शास्त्रियों विषय विशेषज्ञों एवं विभिन्न जिलों के शिक्षकों के साथ कार्यशाला का आयोजन कर गहन विचार विमर्श किया गया है। प्राप्त सुझाव को शामिल करते हुए पुस्तक का विकास किया गया है। पुस्तक के अध्यायों को पटना एवं वैशाली जिले के कई विद्यालयों में बच्चों के साथ वर्ग कक्ष विनिमियन कर देखा गया है तथा उस क्रम में आए सुझावों का समावेश कर पुस्तक को समृद्ध करने का प्रयास किया गया है।

बढ़ती उम्र के साथ बच्चों की समझ विकसित और व्यापक तो हो ही जाती है, विषयों की अवधारणात्मक समझ उसकी आवश्यकता बन जाती है ताकि वह खुद को अपने परिवेश में सामंजित कर सके। इस पुस्तक में प्रयासा किया गया है कि बच्चों के दैनिक जीवन के अनुभवों को उसके सीखने का आधार बनाया जाए। वह अपने परिवेश का महत्व तो समझे ही, उसके प्रति सौन्दर्य बोध का भी विकास हो ताकि उपभोक्ता होने के बावजूद वह उसका संरक्षण एवं संवर्द्धन कर सके।

प्रस्तुत पुस्तक के द्वारा बच्चों में धरातलीय विभिन्नताओं, विभिन्न मंडलों एवं उसकी विशेषताओं, पृथ्वी की आंतरिक संरचना एवं भू–आकृतियों में होने वाले परिवर्तनों एवं कारणों की समझ भी होगी हो, साथ ही प्राकृतिक घटनाओं एवं परिवर्तनों की पल–पल जानकारी देने वाले उपलब्ध विविध यंत्रों से परिचय एवं उसके उपयोग की समझ भी होगी। स्थान विशेष में उपलब्ध विभिन्नताओं एवं विशेषताओं को कारण सहित जानने एवं मानव जीवन पर इसके प्रभाव को समझने में भी पुस्तक मदद करेगी।

पुस्तक में तथ्यों को कहानी एवं संवाद के माध्यम से रूचिकर एवं आकर्षक तरीके से रखने का प्रयास किया गया है, जो इस विषय को सरल एवं सुग्राह्य बनाने की दिशा में नवाचार है। पाठ के बीच में कुछ ऐसे प्रश्न एवं क्रियाकलाप दिए गए हैं जो बच्चों की चिन्तन शक्ति के विकास में सहायक होगा। महत्वपूर्ण एवं नवीन जानकारियों को भी अलग से दिया गया है जो बच्चों का ध्यान अपनी ओर खिंचेगी।

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

इस पुस्तक के विकास में यूनिसेफ के सहयोग एवं प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिनका सहयोग परिषद् को प्राप्त हुआ है उन सबके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं। आशा करते हैं कि भविष्य में भी उनका सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

आशा है भूगोल (हमारी दुनिया भाग-2) की यह पाठ्य-पुस्तक बच्चों के लिए आन्नददायी एवं ज्ञान सृजन में सहायक होगी। पुस्तक को और समृद्ध एवं बेहतर बनाने के लिए परिषद् सदैव आपकी समालोचनाओं एवं सुझावों का स्वागत करेगी। इन सुझावों के प्रति परिषद् सजग एवं संवेदनशील हो कर अगले संस्करण में आवश्यक परिमार्जन के प्रति विशेष ध्यान देगी।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

हसन बारिस
निदेशक प्रभारी
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
बिहार, पटना-6

दिशा बोध-सह-पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, विशेष कार्य पदाधिकारी, बी०टी०बी०सी०, पटना।
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य,** शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **श्री हसन वारिस,** निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पुस्तक विकास समिति

विषय विशेषज्ञ –
1. प्रो० (डा०) पूर्णिमा शेखर सिंह, प्रोफेसर, भूगोल विभाग ए० एन० कॉलेज, पटना (बिहार)
2. डा० सतनाम सिंह, वरीय व्याख्याता, डायट, दिलसाद गार्डेन (दिल्ली)
3. प्रो० (डा०) संजय कुमार, विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, महाराजा कॉलेज, आरा (बिहार)

लेखक सदस्य –
1. श्री जोगेन्द्र कुमार, सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय धनसीर नगर प्रखंड, गया
2. श्री अरविन्द कुमार, साधन सेवी, प्रखंड संसाधन केन्द्र, नगर निगम, गया
3. श्री मनोज कुमार प्रियदर्शी, सहायक शिक्षक, प्रा० वि० मुर्गिया चक झुग्गी झोपड़ी, फुलवारी शरीफ, पटना ।
4. डा० इन्दिरा सिंह, एसोसियट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, हेमवती नन्दन गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)

समन्वयक –
1. डा० राजेन्द्र प्रसाद मंडल, व्याख्याता, रा० शि० शो० एवं प्र० प० बिहार, पटना
2. डा० रीता राय, व्याख्याता, रा० शि० शो० एवं प्र० प० बिहार, पटना

समीक्षक –
1. प्रो० डा० रास बिहारी प्रसाद सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग पटना विश्वविद्यालय, पटना
2. प्रो० डा० किरण कुमार मलतियार, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग बी. एन. कॉलेज, पटना

मानचित्र एवं रेखांकन कार्य – श्री उदय नारायण सिंह, नारायण इन्फोटेक, पटना

आभार – यूनिसेफ, बिहार

WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

अनुक्रमणिका

पाठ सं.	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
पाठ–1	पृथ्वी के अन्दर ताँक–झाँक	01–05
पाठ–2	चट्टान एवं खनिज	06–10
पाठ–3	आंतरिक बल एवं उससे बनने वाली भू–आकृतियाँ	11–20
पाठ–4	वायुमंडल एवं इसका संघटन	21–28
पाठ–5	बिन पानी सब सून	29–41
पाठ–6	हमारा पर्यावरण	42–48
पाठ–7	जीवन का आधार पर्यावरण	49–57
पाठ–8	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया: लद्दाख में जन–जीवन	58–63
पाठ–9	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया थार प्रदेश में जन–जीवन	64–70
पाठ–10	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया: अपना प्रदेश बिहार (उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेश में जन जीवन)	71–78
पाठ–11	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया: तटीय प्रदेश केरल में जन–जीवन	79–87
पाठ–12	मौसम और जलवायु	88–98
पाठ–13	मौसम संबंधी उपकरण	99–104

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED BSTBPC

अनुक्रमणिका

पाठ सं.	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
पाठ–1	पृथ्वी के अन्दर ताँक–झाँक	01–05
पाठ–2	चट्टान एवं खनिज	06–10
पाठ–3	आंतरिक बल एवं उससे बनने वाली भू–आकृतियाँ	11–20
पाठ–4	वायुमंडल एवं इसका संघटन	21–28
पाठ–5	बिन पानी सब सून	29–41
पाठ–6	हमारा पर्यावरण	42–48
पाठ–7	जीवन का आधार पर्यावरण	49–57
पाठ–8	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया: लद्दाख में जन–जीवन	58–63
पाठ–9	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया थार प्रदेश में जन–जीवन	64–70
पाठ–10	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया: अपना प्रदेश बिहार (उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेश में जन जीवन)	71–78
पाठ–11	मानव पर्यावरण अंतःक्रिया: तटीय प्रदेश केरल में जन–जीवन	79–87
पाठ–12	मौसम और जलवायु	88–98
पाठ–13	मौसम संबंधी उपकरण	99–104

WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED BSTBPC